खबर संक्षेप

बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता की तैयारी बैठक सम्पन्न

शहडोल। राज्य स्तरीय 14 वर्ष आयु वर्ग बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन की तैयारियां पूरी गंभीरता एवं समन्वय के साथ की जाएं, ताकि प्रदेश के विभिन्न संभागों से आने वाली टीमें शहडोल से सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें। सीईओ ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के आगमन, ठहराव, भोजन, परिवहन एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि टीमों के आने-जाने के रूट एवं समय की जानकारी पूर्व से सुनिश्चित की जाए तथा खिलाड़ियों को ठहरने के स्थान से खेल मैदान तक पहुंचाने के लिए वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। खेल मैदानों की आवश्यक मरम्मत, स्वच्छता, प्रसाधन, चिकित्सा सुविधा और नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रतियोगिता 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के 10 संभागों की टीमें हिस्सा लेंगी। लगभग 120 खिलाड़ी, टीम प्रबंधक एवं राज्य स्तरीय अधिकारी मिलाकर करीब 200 प्रतिभागी इसमें शामिल होंगे। खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था पांडवनगर स्थित दिव्यांग छात्रावासों और रमसा छात्रावासों में की गई है। प्रतियोगिताएं गांधी स्टेडियम, कान्वेंट स्कूल और इंदिरा गांधी महाविद्यालय के बास्केटबॉल मैदानों में आयोजित होंगी। उद्घाटन अवसर पर मार्चपास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जो अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, उप संचालक शिक्षा फूलसिंह मारपाची, सीएमओ अक्षत बुंदेला, सहायक संचालक खेल रईस अहमद, जिला क्रीड़ा अधिकारी रामरूद्र पटेल सहित विद्यालयों के प्राचार्य, कोच और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा की तीन नगर अध्यक्षों ने बनाई दूरी, संगठन में मंथन शुरू

आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में खाली कुर्सियां

व्यापारी नहीं पहुंचे, स्थानीय नेतृत्व ने दिखाया उदासीन रवैया

जिलाध्यक्ष ने निभाई जिम्मेदारी, तीनों निकाय अध्यक्षों की अनुपस्थिति ने उठाये सवाल

कोयलांचल क्षेत्र में सोमवार को आत्मनिर्भर भारत, जीएसटी और स्वदेशी अपनाओ के संदेश के साथ भाजपा का विधानसभा सम्मेलन फीका पड़ गया। जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जय सिंह मरावी की मौजूदगी के बावजूद न व्यापारियों की भागीदारी दिखी और न ही तीनों भाजपा नगर अध्यक्षों की उपस्थिति, जिससे संगठन के भीतर असंतोष और चर्चा तेज हो गई है।

शहडोल।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आत्मनिर्भर भारत, जीएसटी के लाभ और स्वदेशी अपनाओ जैसे केंद्रीय विषयों पर पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को शहडोल जिले के कोयलांचल क्षेत्र में जैतपुर विधानसभा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सोहागपुर एरिया स्थित स्टाफ क्लब में हुए इस सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों को केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों से जोड़ना था, लेकिन, यह उद्देश्य आयोजन स्थल पर पहुंचते-पहुंचते फीका पड़ गया। जिस सम्मेलन में व्यापारियों की भीड़ जुटनी थी, वहां भाजपा कार्यकर्ताओं की गिनती भी मुश्किल हो गई। कार्यक्रम स्थल पर कुर्सियां खाली रहीं और माहौल ठंडा दिखाई दिया। सम्मेलन में जैतपुर क्षेत्र के विधायक जय सिंह मरावी के साथ भाजपा की जिला अध्यक्ष अमीता छपरा सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। अमीता छपरा का समय पर पहुंचना और संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाना प्रशंसनीय रहा, लेकिन स्थानीय स्तर पर तीनों नगर निकायों की अध्यक्षों की अनुपस्थिति ने पूरे आयोजन की चमक फीकी कर दी।

निकायों के अध्यक्षों ने बनाई दूरी

धनपुरी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा, बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और बकहो नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मौसमी केवट की गैरमौजूदगी को लेकर सबसे अधिक चर्चा रही है। तीनों ने किसी न किसी कारण से कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। सवाल यह नहीं कि वे क्यों नहीं आईं, बल्कि यह कि क्या संगठन के कार्यक्रमों को उन्होंने प्राथमिकता देना बंद कर दिया है? राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि हाल ही में केशवाही विवाद और उससे जुड़ी सोशल मीडिया किरकिरी का असर अब भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के मन में बना हुआ है? पार्टी की छवि पर आए असर के बाद क्या ये नेता अब सार्वजनिक मंचों से दूरी बना रही हैं?

व्यापारियों को नहीं थी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने खुलकर कहा कि जब जिलाध्यक्ष अमिता चपरा और विधायक जय सिंह मरावी जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे, तो स्थानीय महिला अध्यक्षों का ना आना अनुशासन और समर्पण की भावना पर सवाल उठाता है। भाजपा संगठन के निर्देशानुसार यह सम्मेलन प्रदेशभर में इस उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं कि जीएसटी में केंद्र सरकार द्वारा दी गई राहत, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और आत्मनिर्भर भारत अभियान की जानकारी व्यापारिक वर्ग तक पहुंचे, लेकिन जिले के इस सम्मेलन में व्यापारी नदारद रहे। स्थानीय व्यापारियों को कार्यक्रम की जानकारी तक नहीं थी। कई व्यापारियों ने कहा कि हमें आयोजन का निमंत्रण ही नहीं मिला। यह संकेत देता है कि कार्यक्रम की तैयारी और प्रचार-प्रसार में गंभीर लापरवाही हुई है।

अध्यक्ष की संकेतात्मक टिप्पणी

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि जैतपुर विधानसभा की राजनीति में धनपुरी, बुढार और बकहो तीनों नगरीय निकाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन क्षेत्रों की हवा जिस दिशा में बहती है, उसी के अनुसार विधानसभा का परिणाम बदल जाता है। ऐसे में जब पार्टी की तीनों नगर अध्यक्ष ही मंच से नदारद रहीं, तो संगठनात्मक एकजुटता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वहीं मंच से जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान और केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हर पदाधिकारी की जिम्मेदारी है। उनका यह वक्तव्य राजनीतिक दृष्टि से एक संकेतात्मक टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है, जो सीधे तौर पर अनुपस्थित जनप्रतिनिधियों पर निशाना था।

आत्ममंथन की दिशा जरूर तय

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुसार संगठन की भावना तभी मजबूत होती है जब शीर्ष नेतृत्व के साथ स्थानीय नेतृत्व भी समान गति से चले। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि अभी संगठन के भीतर समन्वय की कमी है, चाहे वह विधायक और निकाय प्रतिनिधियों के बीच हो या कार्यक्रम समन्वय के स्तर पर। राजनीतिक दृष्टि से यह सम्मेलन भाजपा के लिए एक टेस्ट केस की तरह रहा। आगामी चुनावों से पहले इस तरह की उदासीनता यदि दोहराई गई, तो इसका सीधा असर ग्राउंड लेवल नेटवर्क पर पड़ सकता है। अब सवाल यह है कि कार्यक्रम में व्यापारी क्यों नहीं पहुंचे, तीनों नगर अध्यक्षों ने दूरी क्यों बनाई और क्या अंदर ही अंदर संगठन के भीतर असंतोष का कोई दबा स्वर उभरने लगा है? इन सवालों का जवाब पार्टी के भीतर समीक्षा बैठक में खोजा जाएगा, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन ने संगठन के आत्ममंथन की दिशा जरूर तय कर दी है।

रीवा-शहडोल रोड टोल वसूली पर भड़के वाहन मालिक

48 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा आमरण अनशन

शहडोल। रीवा-शहडोल मुख्य मार्ग पर टोल वसूली को लेकर वाहन मालिकों और व्यापारियों का गुस्सा चरम पर है। ब्यौहारी क्षेत्र के वाहन मालिकों ने एमपीआरडीसी (मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) और टोल संचालक कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सडक़ अधूरी होने के बावजूद टोल की अवैध वसूली की जा रही है, जो कि नियमों और लोकहित दोनों के विरुद्ध है। वाहन मालिकों ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ब्यौहारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि रीवा से टेटका तक सडक़ निर्माण का कार्य पावर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया गया, लेकिन अब तक यह कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा नहीं हुआ है। इसके बावजूद एमपीआरडीसी ने मऊ और करकी ग्राम के बीच दो टोल प्लाजा संचालित कर दिए हैं, जिनकी दूरी महज 35 से 40 किलोमीटर है। यह स्पष्ट रूप से टोल नीति के विपरीत है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सडक़ की गुणवत्ता बेहद खराब है, डिवाइडर, संकेतक और चेतावनी बोर्डों का अभाव है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। बावजूद इसके, विभाग और ठेकेदार कंपनी आंख मूंदे बैठे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एमपीआरडीसी शहडोल कार्यालय द्वारा कुछ पूंजीपतियों के कमर्शियल वाहनों को टोल शुल्क से छूट प्रदान की गई है, जबकि अन्य सामान्य वाहन चालकों और व्यवसायियों से जबरन वसूली की जा रही है। व्यापारियों ने बताया कि मऊ टोल के 20 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले छोटे व्यवसायी, जिनका कारोबार मऊ-बाणसागर-ब्यौहारी क्षेत्र में है, दिन में कई बार टोल से गुजरते हैं और हर बार शुल्क देना पड़ता है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

वाहन मालिकों ने कहा कि 20 अगस्त, 29 अगस्त, 23 सितंबर और 1 अक्टूबर को भी प्रशासन को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन आज तक न तो टोल वसूली पर रोक लगी, न ही सडक़ और डिवाइडर की गुणवत्ता की जांच हुई। आक्रोशित यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर प्रशासन कोई ठोस निर्णय नहीं लेता, तो वाहन मालिक आमरण अनशन पर बैठेंगे और अपने वाहन टोल प्लाजा मऊ पर खड़ा कर एमपीआरडीसी को सुपुर्द कर देंगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा अब यह सिर्फ टोल का मुद्दा नहीं, बल्कि शोषण और अन्याय के खिलाफ लड़ाई है। गौरतलब है कि रीवा-शहडोल रोड पर वर्षों से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, जबकि टोल की वसूली पूरी दर से की जा रही है। इससे आम जनता और व्यापारी दोनों नाराज हैं, वहीं प्रशासन की चुप्पी इस अव्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है।

विशेषज्ञ सहित वर्षों से आयुष डाक्टरों के पद रिक्त पड़े

शहडोल

नगर में लगभग 4 दशकों से संचालित आयुर्वेद उपचार सेवा अव्यवस्थाओं के कारण धीरे-धीरे बंद होने की कगार पर पहुंच रही है। जबकि यह संभाग की एक मात्र आयुष अस्पताल है। हैरानी की बात यह है कि निरंतर बदहाल होती यह अति महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा अभी तक शासन-प्रशासन की आंखो तले नहीं ठहरी। विकास के नाम पर करीब 13 वर्षों पूर्व शासन ने आयुष सेवा को सुविधाजनक बनाने नगर में जिला अस्पताल निर्मित कराया था। लेकिन इसका भी रखरखाव नहीं हो पा रहा है। आयुष अस्पताल में न तो वर्षों से विशेषज्ञ चिकित्सक हैं और न डाक्टरों की पर्याप्त संख्या है। पुरुषों के लिए सप्ताह में दो दिन ड्यूटी देने वाले एक विजिटर डाक्टर तैनात किए गए हैं। अस्पताल में कुल दो महिला डाक्टर पदस्थ हैं। इन्ही के भरोसे अस्पताल चल रहा है।

पर्याप्त डाक्टर नहीं

अस्पताल में डाक्टरों के 5 पद स्वीकृत हैं। इनमें एक विशेषज्ञ और 4 डाक्टरों के पद स्वीकृत हैं। लेकिन यहां विशेषज्ञ सहित 3 डाक्टरों के पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। वर्तमान में अस्पताल के लिए कुल 2 महिला डाक्टर पदस्थ हैं। इन्ही के भरोसे जैसे तैसे अस्पताल चल रहा है। ज्ञातव्य है कि डाक्टरों के रिक्त पदों के लिए कई बार शासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया लेकिन शासन की ओर से अभी तक न तो कोई मार्गदर्शन दिया गया और न डाक्टर पदस्थ हुए। समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।

घट गई रोगियों की संख्या

पूर्व के वर्षों में जब यहां विशेषज्ञ चिकित्सक थे तब यहां संभाग भर से रोगी आते थे और ओपीडी में औसतन 100-150 मरीज रोजाना आते थे। यहां पंचकर्म भी होता था। लेकिन विशेषज्ञ के स्थानांतरित होने के बाद रोगियों की संख्या निरंतर घटती चली गई और अब 20-25 में सिमट कर रह गई है। जो कि पहले से कई गुना कम है। आज लोगों में आयुर्वेद चिकित्सा की लोकप्रियता बढ़ रही है, इसके बावजूद आयुष अस्पताल बदहाल है। यहां जनसामान्य को एक विशेषज्ञ की दरकार है और कई बार मांग भी की जा चुकी है।

विजिटर डाक्टर काम चला रहे

पुरुषों की उपचार सुविधा के लिए नजदीकी उपचार केन्द्र बंधवाबारा से एक डाक्टर यहां तैनात किए गए हैं, जो कि सप्ताह में दो दिन गुरुवार और शनिवार को कुछ घण्टे सेवा देते हैं। पुरुषों का अधिकांश इलाज वही करते हैं। शेष दिनों में महिला डाक्टर ही उपस्थित रहतीं हैं। जबकि यदि अस्पताल के रिक्त पदों पर पदांकन कर दिया जाए तो समस्याओं और रोगियों की असुविधाओं का अंत हो सकता है। यहां केवल जिला ही नहीं संभाग भर से रोगी आते हैं लेकिन अस्पताल आने के बाद उन्हे निराशा ही हाथ लगती है।

अस्पताल भवन बदहाल

अस्पताल भवन का रखरखाव भी समुचित रूप से नहीं हो पा रहा है। हालत यह है कि दीवारों की रंगाई पुताई नहीं हो पा रही है। भवन पर अस्ताल का नाम लिखा था जिसका पेंट उखड़ गया है। नाम मिट जाने के कारण यह पता ही नहीं चलता कि यहां अस्पताल संचालित है। इसके अलावा अस्पताल में निस्तारी पानी व वर्षा का पानी निकलने की कोई सुविधा नहीं है। मामूली सी वर्षात में भी सामने कीचड़ पानी का भराव हो जाता है। जिससे आने जाने में असुविधा होती है।

कलेक्टर ने दूर दराज के क्षेत्रों से आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल के कट्टी मोहल्ला सोहागपुर निवासी उपेंद्र कुमार पाण्डेय ने गरीबी रेखा में नाम जुडवाने, ग्राम चचाई निवासी राधाकृष्णन सिंह ने ग्राम चंदोला में अतिक्रमण हटवाने, धनपुरी वार्ड नम्बर 17/21 निवासी पासे सोनवानी ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाने, ग्राम रसमोहनी निवासी अनुपम मिश्रा ने अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने ग्राम खोल्हाड़ निवासी नंदलाल पटेल, रामप्रताप पटेल, रामप्रताप सहित अन्य ग्रामवासियो ने सोयाबीन फसल का हुए नुकसान का मुआवजा दिलवाने हेतु संबंधित जन सुनवाई में आवेदन किया। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रगति वर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

समग्र शिक्षा अभियान के तहत 29 अक्टूबर को होगी एलईपी मूल्यांकन परीक्षा

शहडोल। समग्र शिक्षा अभियान के सफल क्रियान्वयन के तहत प्रदेशभर में 29 अक्टूबर को एलईपी (लर्निंग एन्हांसमेंट प्रोग्राम) मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाएगी। एपीसी अरविंद पाण्डेय ने बताया कि इस संबंध में प्रदेश स्तर से ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के सहायक जिला परियोजना समन्वयकों का उन्मुखीकरण किया गया है। शहडोल जिले में कुल 83 शासकीय हाईस्कूल और हायर सेकंडरी विद्यालयों में यह परीक्षा संपन्न होगी। विद्यालयवार नोडल शिक्षकों का चयन संबंधित प्राचार्यों द्वारा किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता का आकलन करना और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। विद्यार्थियों का मूल्यांकन गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी एवं अंग्रेजी विषयों में किया जाएगा, ताकि तार्किक चिंतन, समस्या समाधान एवं रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जा सके। राज्य के 52 जिलों के 4528 विद्यालयों में यह परीक्षा ओएमआर शीट आधारित एमसीक्यू प्रारूप में आयोजित होगी। कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 75 प्रश्न तथा कला एवं मानविकी संकाय के लिए 90 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं, जिनके लिए 120 मिनट का समय मिलेगा। लगभग 6 लाख से अधिक विद्यार्थी इस मूल्यांकन में शामिल होंगे। मूल्यांकन के उपरांत जिला एवं विद्यालयवार रिपोर्ट तैयार कर विश्लेषण किया जाएगा। शिक्षकों के लिए एआई आधारित स्मार्ट टीचिंग टूल्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम डीआईईटी एवं नोडल प्रशिक्षण केंद्रों पर दो चरणों में आयोजित होंगे, जिनमें प्रत्येक जिले से 150 से 250 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। एलईपी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और विद्यालयों को राज्यस्तरीय सम्मान और शैक्षणिक भ्रमण का अवसर मिलेगा। जनवरी 2026 में विशेष राज्यस्तरीय पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा।

जयकांत मिश्रा म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव में प्रबल दावेदार

बुढार। बुढार अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा (एड.) आगामी मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद, जबलपुर के सदस्य पद के चुनाव में अपनी प्रबल दावेदारी जताते हुए सक्रियता से समर्थन जुटा रहे हैं। अधिवक्ता मिश्रा ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिवक्ताओं के बीच लगातार संपर्क स्थापित किया है और उन्हें अपने पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके साथ सहयोगी अधिवक्ता भी पूरे उत्साह के साथ समर्थन जुटाने में जुटे हुए हैं, जिससे चुनावी वातावरण चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। अधिवक्ता मिश्रा को विशेष पहचान उनके कर्मठता, मिलनसारिता और अधिवक्ताओं के हितों के प्रति समर्पण के लिए मिली है। उनका कहना है कि इस अंचल से लंबे समय से म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद में प्रतिनिधित्व का अभाव रहा है और अधिवक्ताओं की समस्याओं को अनसुना किया जाता रहा है। जयकांत मिश्रा ने इस कमी को दूर करने और अधिवक्ताओं के हितों को सर्वोपरि प्राथमिकता देने का संकल्प लिया है।

अधिवक्ता मिश्रा लगातार पीड़ित पक्षकारों को न्याय दिलाने में भी सक्रिय हैं और उनके इस कार्य की प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिवक्ताओं ने सराहना की है। उनके सहज, सरल और मिलनसार स्वभाव के कारण अनेक अधिवक्ता उन्हें समर्थन देने के लिए प्रेरित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुढार अंचल के अधिवक्ताओं के बीच मिश्रा के पक्ष में समर्थन तेजी से बढ़ रहा है और चुनावी रणनीति के तहत शुरू किया गया संपर्क अभियान अभी से ही सफल दिखाई दे रहा है। उनके सहयोगी भी सक्रियता से समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। इस प्रकार, जयकांत मिश्रा (एड.) म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्य पद के लिए चुनाव में अपनी प्रबल दावेदारी के साथ मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और अधिवक्ताओं के बीच सकारात्मक पहचान बनाने में सफल दिखाई दे रहे हैं। उनका चुनावी अभियान अधिवक्ताओं के हितों और न्याय की बेहतर सेवा को केन्द्र में रखकर संचालित किया जा रहा है।

विद्यार्थियो ने निकाली जागरूकता रैली

शहडोल। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत संभागीय मुख्यालय के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पांडवनगर में विद्यार्थियो द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत रैली निकाली गई। रैली में शामिल विद्यार्थियों द्वारा परिवार एवं समाज में जागरूकता लाने हेतु बेटी बचाओ बेटी पढाओ, बेटी है तो कल है, बेटियो को दे शिक्षा, मॉ नही तो बेटी नही, बेटी नही तो बेटा नही नारे लगा रहे थे। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम अंतर्गत विद्यालय के बालक बालिकाओं द्वारा चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती संजीता भगत, प्राचार्य अनिल द्विवेदी, श्रीमती वर्षा पाण्डेय, सपना पाण्डेय काउंसलर, भानुप्रिया, रेणु श्रीवास्तव केसवर्कर एवं स्कूली छात्र-छात्राओ ने सहभागिता निभाई।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सेवाएं समय-सीमा में प्रदान करें: कलेक्टर

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सिटीजन चार्टर में चिन्हित सभी सेवाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को शासकीय सेवाओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रत्येक अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करें। कलेक्टर ने विशेष रूप से समाधान एक दिवस के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया और निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन की समयबद्ध समीक्षा एवं समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं की विभागवार समीक्षा की और विलंब पाए जाने पर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने सीईओ जनपद पंचायतों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों की ई-केवायसी लंबित है, उसका कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि ई-केवायसी प्रक्रिया में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि अक्टूबर माह के लिए समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित सेवाओं के सभी लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए। साथ ही, विभिन्न विभागों में लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा कर समय पर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिया एक्का सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जवाबदेही तय की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

धान उपार्जन के लिए 21925 किसानों ने कराया पंजीयन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक किया गया। इस पंजीयन अवधि में जिले के 21925 किसानों ने पंजीयन कराया। जिसमें अनूपपुर तहसील अंतर्गत 6586 किसानों, कोतमा तहसील अंतर्गत 6526 किसानों, पुष्पराजगढ़ तहसील अंतर्गत 4532 किसानों तथा जैतहरी तहसील अंतर्गत 4281 किसानों ने पंजीयन कराया।

वार्डो में फॉगिंग मशीन से कीटनाशक का छिड़काव

कटनी। नगर निगम द्वारा मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी और निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर निर्धारित कैलेंडर अनुसार शहर के विभिन्न वार्डों में फॉगिंग मशीन के माध्यम से कीटनाशक दवा का छिड़काव का कार्य किया जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि निगम की स्वास्थ्य विभाग टीम के द्वारा रविवार रात्रि माधवनगर स्थित संत कंवरराम वार्ड और महाराणा प्रताप वार्ड की विभिन्न मार्गो, कॉलोनी, एवं बस्तियों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में फागिंग मशीन के माध्यम से विशेष रूप से छिड़काव कर नागरिकों को मच्छरजनित बीमारियों से राहत प्रदान करने का कार्य किया जाकर नागरिकों से अपील की गई है कि घरों एवं आसपास पानी न ठहरने दें तथा स्वच्छता बनाए रखें, ताकि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से बचाव हो सके।

मंदिरों की पूजन सामग्री का किया गया संग्रहण

कटनी। नगर की सफाई व्यवस्था के साथ ही मंदिरों से निकलने वाली पूजन सामग्री के उचित निस्तारण हेतु वार्ड क्रमांक 41 स्थित समदड़िया कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध महाराज मंदिर,श्री आदिशक्ति मंदिर, वार्ड क्रमांक 31 लोकेश्वर महादेव मंदिर, शंकर जी का मंदिर, शिवधाम मंदिर, वार्ड क्रमांक 7 स्थित जगन्नाथ मंदिर, सहित नगर के अन्य मुख्य मंदिरों से पूजन सामग्री के संग्रहण का कार्य किया गया।

जल संरचनाओं में खरपतवार के सर्वेक्षण करने के निर्देश

कटनी। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों की जल संरचनाओं के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों के समस्त आयुक्त नगर निगम, मुख्य नगरपालिका अधिकारी और नगर परिषद को आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने पत्र जारी कर निर्देश दिए है। निर्देशों में कहा गया है कि शहरी क्षेत्र की झील एवं तालाब में आक्रमक रूप से खरपतवार तेजी से फैल रहे है। इसका नकरात्मक प्रभाव जलीय संरचनाओं पर पड़ रहा है। इसके दुष्प्रभाव से पानी में ऑक्सीजन की कमी के साथ ही जलीय जंतुओं एवं वनस्पति में लगातार गिरावट आ रही है।

पीएम आवास योजना की साख पर बट्टा, तीन माह बाद भी कार्रवाई नहीं

गरीबों को पक्का घर दिलाने की सबसे महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई

रोजगार सहायक का फर्जीवाड़ा

शहडोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीबों को पक्का घर दिलाने की सबसे महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। जयसिंहनगर जनपद के ग्राम ढोलर में पदस्थ रोजगार सहायक अमित सिंह पर लगाए गए फर्जीवाड़े के आरोपों को तीन महीने बीत जाने के बाद भी प्रशासनिक तंत्र ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। शिकायत में सरकारी धन की खुली लूट, पात्र हितग्राहियों के हक की चोरी और योजना के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं, फिर भी जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप्पी साधे बैठे हैं।

गरीबों का हक छीनकर खुद बन गए 'पात्र'

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य उन गरीब परिवारों को छत मुहैया कराना है जो वर्षों से खुले आसमान तले जीवन गुजार रहे हैं, लेकिन ढोलर में पदस्थ रोजगार सहायक अमित सिंह ने इसी योजना को निजी कमाई का जरिया बना डाला। ग्राम निवासी राममनोहर पाल द्वारा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को सौंपी गई लिखित शिकायत में आरोप लगाया था कि अमित सिंह ने अपने पिता सतेन्द्र सिंह, भाई अजीत सिंह और चाची निशा सिंह के नाम पर फर्जी तरीके से पीएम आवास स्वीकृत करवाए। ये सभी लोग न तो गरीब हैं, न ही बेघर। बल्कि वे नगर परिषद जयसिंहनगर के वार्ड क्रमांक 15 में एक पक्के मकान में रहते हैं, जिसका संपत्ति रिकॉर्ड नगर परिषद के अभिलेखों में मौजूद है। यानि गरीबी की परिभाषा बदल गई है, अब जिनके पास आलीशान घर, वाहन और निजी स्कूल है, वे भी गरीब बनकर सरकारी आवास का लाभ उठा सकते हैं।

प्रधानमंत्री के नाम पर निजी स्कूल की रंगाई-पुताई

शिकायत में यह भी उजागर हुआ है कि पीएम आवास की स्वीकृत राशि का इस्तेमाल अमृता पब्लिक स्कूल नामक निजी विद्यालय के निर्माण और रख-रखाव में किया गया। यह विद्यालय ढोलर के वार्ड क्रमांक 09 में स्थित है और खुद रोजगार सहायक के परिवार के स्वामित्व में है। आरोप है कि इसी राशि से विद्यालय परिसर में पुताई, बोरिंग, सफाई और भवन मरम्मत का कार्य कराया गया, यानी गरीबों के घर की जगह स्कूल की दीवारें चमकाई गईं। इतना ही नहीं, विद्यालय भवन ग्राम लोडी बहरा के खसरा नंबर 117/1 पर स्थित शासकीय भूमि पर निर्मित है। यह स्पष्ट रूप से न केवल शासकीय जमीन पर कब्जा है, बल्कि सरकारी योजना की राशि को निजी संपत्ति में निवेश करने जैसा अपराध है।

संपन्न परिवार ने उड़ाई सरकारी राशि

शिकायत के साथ प्रस्तुत दस्तावेज बताते हैं कि आरोपी परिवार के पास मारुति वैन, लग्जरी कार और दोपहिया वाहन हैं। यह तथ्य उनकी आर्थिक स्थिति को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। जब ऐसे समृद्ध परिवार को गरीब घोषित कर आवास का लाभ दिया जा सकता है, तो गरीब हितग्राहियों के लिए बनी योजनाओं का भविष्य खुद ही सोचिए। यह मामला केवल एक गांव या एक परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र में बैठे उन लोगों की मानसिकता को दर्शाता है जिन्होंने प्रधानमंत्री की जनकल्याण योजनाओं को अपनी जेब भरने का माध्यम बना लिया है।

तीन माह से जांच अधर में

शिकायत को दाखिल हुए अब तीन माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक न तो किसी जिम्मेदार अधिकारी से जवाब मांगा गया और न ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हुई। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के अधिकारी मामले में लीपापोती करते दिख रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने कलेक्टर के साथ-साथ संभागीय आयुक्त शहडोल को भी प्रतिलिपि भेजी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि जब प्रशासन अपने ही कर्मचारियों पर कार्रवाई से बच रहा है, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा? आरोप है कि पंचायत और जनपद स्तर के कुछ अधिकारी इस घोटाले की परतों को दबाने में लगे हैं, ताकि मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाए।

भाई-भतीजावाद का घिनौना चेहरा

प्रधानमंत्री आवास योजना में इस तरह की धांधली यह साबित करती है कि जिले के निचले स्तर तक भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। गरीबों के हक की रकम शासकीय अधिकारियों और उनके परिजनों की जेब में जा रही है, जबकि वास्तविक हितग्राही पंचायतों के चक्कर काट-काटकर थक चुके हैं।

विधायक बांधवगढ़ ने खिलाड़ियों को वितरित की खेल सामग्री

उमरिया। विधायक बांधवगढ़ शिवनारायण सिंह ने स्टेडियम ग्राउंड में हॉकी फीडर सेंटर उमरिया के खिलाडियो को खेल सामग्री वितरित की। इस दौरान 20 बालकों एवं 8 बालिकाओं को खेल सामग्री का वितरण किया गया। वितरित की गई सामग्री में हॉकी, जूता , मोजा, टीशर्ट निकर, बॉल शामिल है। उन्होने खिलाडियो से कहा कि मन लगाकर खेल को खेले तथा अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए ग्राम, जिला का नाम रोशन करें। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या ने बताया कि हॉकी फीडर सेंटर मप्र शासन की महती योजना है, जहां खिलाडियो को सुविधा प्रदान करने के साथ ही उन्हें तराशने का कार्य किया जाता है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 75 आवेदकों की सुनी समस्याएं

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए 75 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदन संबंधित विभाग की ओर निराकरण करने हेतु प्रेषित किया। जनसुनवाई में रामकली कोल निवासी कछरवार हाल मुकाम जेल बिल्डिंग ने कब्जा हटाने, सुरतिया बाई बैगा ग्राम परासी ने पीएम आवास की दूसरी किश्त दिलाने,शारदा गेड़ाम सिंगलटोला ने पेंशन का निराकरण 6वें वेतनमान के आधार पर कराने, मो0तालीम खां ग्राम चंदनिया ने आर आर सी नाली बनवाने, मांडवी सिंह भदौरिया वेंकटनगर अनूपपुर ने जनजातीय कार्य

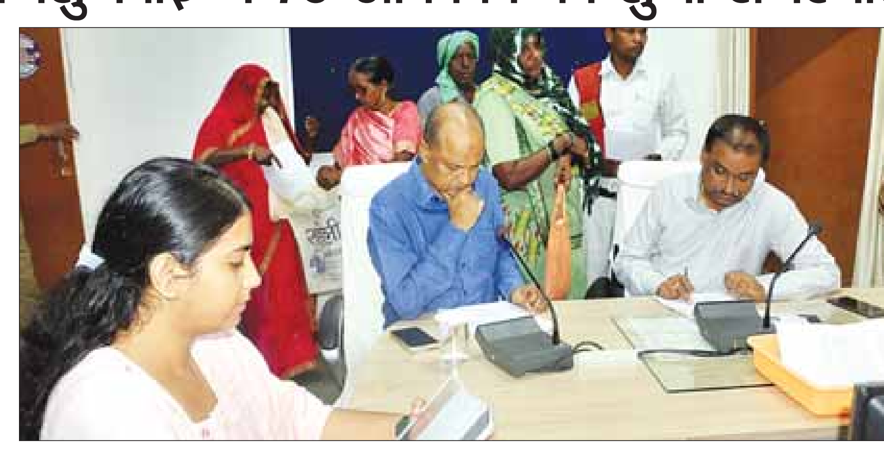

विभाग उमरिया से वाहन का तीन माह का बकाया राशि दिलाने, अजय सिंह गहरवार ग्राम बरतराई ने सरपंच एवं सचिव व्दारा शासकीय भूमि से कब्जा हटाने,गोदी बैगा ग्राम कछराटोला ने वन अधिकार पट्टा दिलाने संबंधी आवेदन दिया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ हरनीत कौर कलसी,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सुरूचि को बनाया गया सांकेतिक कलेक्टर

सांकेतिक कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजनों की समस्याएं

उमरिया

महिला बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीटय बालिका दिवस के अवसर पर सुरूचि परस्ते ग्राम मरदरी को एक दिन का सांकेतिक कलेक्टर बनाया गया। सांकेतिक कलेक्टर ने कलेक्टर सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की उपस्थिति में साप्ताहिक जनसुनवाई में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं भी सुनी। सुरूचि परस्ते माता अनुश्रिया पिता ध्रुव सिंह ने बताया कि वे माता शबरी आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर उमरिया में कक्षा 12वीं कामर्स की छात्रा है पिता आहूजा

ट्रेडर्स में कार्यरत है। उन्होने कहा कि आज मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। सुरूचि ने संदेश

दिया कि बेटियां अब बोझ नही वरदान साबित हो रही है। बेटी के शिक्षित होने पर ही समाज शिक्षित होता है। बेटियां एक नही दो कुलों का नाम रोशन करती है। इसलिए आवश्यक है कि बेटियों को पढ़ाएं-लिखाएं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक साक्षरता कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में ए0डी0आर0 सेंटर भवन उमरिया के सभागार हॉल में अहमद रजा द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमरिया की अध्यक्षता में ई-कोर्ट सर्विस मोबाईल एप एवं हाईकोर्ट के वेबपोर्टल के संबंध में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबीनार संपन्न

उमरिया।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय रणविजय प्रताप सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ.विमला मरावी , संयोजक वाणिज्य संकाय के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर ऋषि राज पुरवार सहसंयोजक डॉ रमेश प्रसाद कोल सहसंयोजक डॉ तुलसी रानी पटेल आयोजन सचिव डॉ अरविंद शाह बरकड़े ने कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

प्रो डॉ.कौशलेंद्र विक्रम मिश्रा प्राचार्य रामनगर पीजी कॉलेज बाराबंकी उत्तर प्रदेश व्दारा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रणाली को दृष्टिगत रखते हुए धर्म से कैसे जोड़ा जा सकता है , पर अपने विचार व्यक्त किए।

भारतीय चेतना एवं धार्मिक मूल्यों को भारतीय ज्ञान परंपरा प्रणाली के विषय को दृष्टिगत रखते हुए धार्मिक कार्य क्षेत्र भारतीय पद्धतियों उपयोगिता उपभोग उपयोग एवं ऋषि मुनियों एवं गुरुकुल शिक्षा पद्धति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डॉ.अरविंद शाह बरकड़े के द्वारा किया गया द्वितीय वक्ता डॉक्टर राजकुमार नागवंशी विभाग अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा अपनी संरचनात्मक स्वरूप को विषय में विस्तार पूर्वक रखते हुए अपने व्याख्यान बड़े ही सरल सहज ढंग से व्यक्त किया। डॉक्टर एम.एन.स्वामी सेवानिवृत प्रोफेसर रसायन शास्त्र, प्रोफेसर संजीव शर्मा ने भी उक्त विषय पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिए। प्रमुख प्राचार्य डॉ विमला मरावी एवं संयोजक प्रो.ऋषि राज पुरवार आयोजिन सचिव डॉ अरविंद शाह बरकड़े डॉ रमेश प्रसाद कोल डॉ पी.डी.रावत समस्त कर्मचारी अधिकारी डॉ तुलसी रानी पटेल, जितेंद्र कुमार डॉ प्रमोद तिवारी डॉक्टर प्रज्जवला सिंह बघेल डॉ कीर्ति तिवारी डॉ प्रियंका दहिया डॉ रश्मि रानी तिवारी डॉ श्रद्धा मित्तल डॉ मीना सिंह राजेंद्र प्रसाद पटेल एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी वेबीनार में उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने दुकानों का किया निरीक्षण

एक्सपायरी खाद्य पदार्थों को कराया नष्ट

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी को मिष्ठान दुकानों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे।निर्देश के परिपालन में विकासखंड पाली में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने मिष्ठान दुकानों, किराना दुकानों तथा डेयरी का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अग्रवाल स्वीट्स एंड डेली नीड्स में मिठाइयों एवं नमकीन के सेंपल लिए गए। राहुल किराना स्टोर एवं जनरल स्टोर में अवलोकन के दौरान पाए गए एक्सपायरी खाद्य पदार्थों को नष्ट करवाया गया।पूनम डेयरी में भ्रमण के दौरान बेचे जा रहे दूध,दही,पनीर एवं घी,खोवा का अवलोकन कर सेंपल लिए गए एवं दुकान मालिक को उचित

समझाइश देकर जागरूक किया गया।प्रेम एजेंसी से एवरेस्ट मसाले की थोक विक्रेता सेइंग फैट हल्दी के सैंपल एकत्रित किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया गया कि भ्रमण के दौरान एकत्रित किए गए सैंपल राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे।जांच प्रतिवेदन प्राप्त उपरांत दोषी पाए जाने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।निरीक्षण के समय जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एस बी चौधरी,प्रधान आरक्षक भगत सिंह एवं आरक्षक वाकिफ खान एवं टीम उपस्थिति रही।

पुष्पराजगढ़ के अमगवां में चल रहा अंतर्राज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले के पुष्पराजगढ़ जनपद के ग्राम अमगंवा स्टेडियम में सोमवार को शुरू हुए जगतगुरु माऊली सरकार फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियन ट्रॉफी-2025 की शुरुआत रोमांचक रही। पहले मुकाबले में भिलाई की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौर को 4-2 से पराजित कर प्रतियोगिता में विजयी आगाज़ किया, वहीं दूसरे मैच में कोरबा की टीम का सामना पुष्पराजगढ़ टीम के साथ हुआ इस मैच में कोरबा टीम विजई रही। मैच के दौरान टीमों के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिला। पहले हाफ में भिलाई ने 2 गोल की बढ़त बनाई, जबकि इंदौर ने वापसी करते हुए दूसरा हाफ 2-2 पर ला दिया, लेकिन अंतिम मिनटों में भिलाई के दो तेज़ गोलों ने जीत सुनिश्चित कर दी। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों से किया। इस टूर्नामेंट में कोरबा, पुष्पराजगढ़, रतलाम और बिलासपुर जैसी टीमें भी हिस्सा ले रही हैं। यहां सभी मैच 45-45 मिनट के होते हैं। विजेता टीम को 51,000 और उपविजेता को 25,000 की नगद राशि प्रदान की जाएगी। टूर्नामेंट के आयोजक एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के साथ भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिले के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अमलाई क्षेत्र में जियो नेटवर्क ठप आसपास के क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएँ प्रभावित

अमलाई। अमलाई क्षेत्र में जियो नेटवर्क की स्थिति पिछले कई महीनों से बेहद खराब बनी हुई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि चाहे 5G हो या 4G, इंटरनेट की स्पीड इतनी धीमी है कि 40 से 50 केबीपीएस तक की गति भी नहीं मिल पा रही है। इससे ऑनलाइन कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोगो का कहना है कि जिओ द्वारा 5जी की बेहतर सर्विस प्रदान करने का दावा खोखला साबित हो रहा है। ओपीएम, सोडा फैक्ट्री और अमलाई के आस-पास के इलाकों में जियो नेटवर्क लगभग ठप है। लोगों को मोबाइल डेटा से जुड़ी सेवाएँ सुचारू रूप से नहीं मिल पा रही हैं। स्कूलों-कॉलेजों की ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान, सरकारी पोर्टल, बैंकिंग और दफ्तरों के जरूरी ईमेल कार्य ठप पड़ गए हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शिकायतें करने के बावजूद कंपनी की ओर से कोई सुधार नहीं हुआ है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि दिनभर में कभी-कभी ही नेटवर्क थोड़ा काम करता है, वह भी कुछ मिनटों के लिए।लोगों ने जियो कंपनी और दूरसंचार विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द तकनीकी खामियों को दूर किया जाए, ताकि क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएँ सामान्य रूप से शुरू हो सकें।

कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने जनसुनवाई में सुनीं लोगों की समस्याएं

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं प्रस्तुत कीं। कमिश्नर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम घाठा निवासी वेदप्रकाश नापित ने अतिथि शिक्षक नियुक्ति, जबकि नगर परिषद खांड निवासी सत्तू पति दादुली ने प्रधानमंत्री आवास की किश्त जारी कराने और वृद्धा पेंशन स्वीकृत करने का आवेदन दिया। कमिश्नर ने दोनों प्रकरणों सहित अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही हेतु प्रेषित किया। जनसुनवाई में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उपार्जन हेतु पंजीयन शुरू

कटनी। राज्य शासन के निर्देश पर खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में भावांतर योजना के अंतर्गत जिले में सोयाबीन हेतु कृषकों का पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर शुरू है। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर निर्धारित है। जबकि राज्य शासन द्वारा फसल विक्रय हेतु भावांतर अवधि 24 अक्टूबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। सहायक आयुक्त सहकारिता ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार की रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजनान्तर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर कोदो एवं कुटकी हेतु पंजीयन कार्य भी शुरू है। कृषक 24 अक्टूबर तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। जिले में पंजीयन हेतु 11 उपार्जन पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। जिनमें सहकारी समिति मर्यादित विजयराघवगढ, सिन्गौड़ी, रीठी, बकलेहटा, पिपरियाकला, बड़वारा, विलायतकला, झिन्नापिपरिया, सिलौडी, स्लीमनाबाद तथा विपणन सहकारी समिति कटनी का निर्धारण किया गया है। इन केन्द्रों पर कृषक पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

वार्डो में फॉगिंग मशीन से कीटनाशक का छिड़काव

कटनी। नगर निगम द्वारा मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी और निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर निर्धारित कैलेंडर अनुसार शहर के विभिन्न वार्डों में फॉगिंग मशीन के माध्यम से कीटनाशक दवा का छिड़काव का कार्य किया जा रहा है।

ब्यौहारी नगर का निकला पथ संचलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ब्यौहारी द्वारा संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर विजयदशमी के उपलक्ष में भव्य पथ संचलन निकाला गया इस संघ के 100 वर्ष होनेपर संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है गांव-गांव में भी गणवेश मे पथ संचलन निकाला गया

ब्यौहारी।

नगर व्यवहारी के पथ संचलन से पहले मुख्य वक्ता डॉ नितिन ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश को मजबूत करने के लिए देशभक्त हिंदू की आवश्यकता है हिंदू समाज हमारा सशक्त होना चाहिए सशक्त हिंदू तभी होगा जब हमारी एक घंटे की शाखा होगी उन्होंने कहा प्रत्येक हिंदू भगत सिंह है शिवाजी है हमारी बहनें रानी लक्ष्मीबाई हैं हमें जागने की जरूरत है , समाज को जागृत करना होगा हमारे देश में बनी हुई बस्तुएं स्वदेशी को मजबूत करना होगा हिंदू समाज को जागृत कर देशभक्ति समाज का निर्माण करना होगा इसलिए 1 घंटे राष्ट्र के लिए प्रतिदिन देना है पथ संचलन बनसुकुली चौराहा ,लक्ष्मी नारायण मंदिर ,राधा कृष्ण मंदिर, से वापस होते हुए चुंगी नाका,टंकी तिराहा होते हुए वापस हायर सेकेंडरी मैदान पहुंचा जहां कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से खंड संचालक लाल जी गुप्ता, लक्ष्मीकांत मिश्रा अधिवक्ता खंड कार्यवाह, नितिन गुप्ता नगर कार्यवाह, कार्यक्रम का संचालन खंड कार्यवाह ने किया कार्यक्रम में 300 स्वयं सेवक एवं मातृ शक्तियों उपस्थित थी। -चाक चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था। पथ संचलन को देखते हुए पुलिस द्वारा जगह-जगह यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करते हुए स्टापर रखें गए की पथ संचलन के आगे आगे नगर निरीक्षक अरुण पांडे एवं एस आई मोहन पड़वार सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे थे इसके अलावा जहां-जहां से संचलन निकलना था वहां संघ के तरफ से भी स्वयंसेवकों को व्यवस्था के लिए तैनात किया गया था1

आध्यात्म की बयार से पुलकित है क्षेत्र

ब्यौहारी।

विकासखंड के ग्राम कुआँ स्थित रामलीला मैदान साक्षात ब्रज भूमि जैसा प्रतीत हो रहा है, जहाँ भगवान श्री कृष्ण की अलौकिक रासलीला का भव्य और भावपूर्ण आयोजन हो रहा है। वृंदावन के सुप्रसिद्ध रसिक बिहारी रासलीला संस्थान के कलाकारों की प्रस्तुति ने इस स्थल को सांस्कृतिक सृजनात्मकता और गहन श्रद्धा का केंद्र बना दिया है।जनसैलाब और सजीव प्रस्तुतिःप्रतिदिन रात्रि 08 बजे से शुरू हो रही यह रासलीला देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध रखती है। कलाकारों की सजीव लीलाएं, मधुर वादन, आकर्षक वेशभूषा और भावपूर्ण गायन दर्शकों को सीधे द्वापर युग का अनुभव करा रहे हैं। समूचे क्षेत्र से उमड़ रहे जनसैलाब के कारण रामलीला मैदान खचाखच भरा रहता है,

जहाँ भक्ति और उल्लास की लहरें स्पष्टतः दिखाई देती हैं।सामूहिक समर्पण की मिसालःआयोजन की सफलता का श्रेय देते हुए आयोजक समिति के वरिष्ठ सदस्य मनोज शुक्ला जी ने इसे ₹जन-जन के सामूहिक समर्पण₹ का परिणाम बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ग्रामवासियों के अभूतपूर्व सहयोग और सामूहिक श्रद्धा ने ही इस आयोजन को संभव बनाया है। व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। अब तक मुकुट पूजा और कृष्ण जन्म जैसे अविस्मरणीय प्रसंगों का सफल मंचन हो चुका है, जिससे आगामी लीलाओं के प्रति दर्शकों में भारी उत्साह है।आयोजक समिति के सदस्य ब्रजेश पाण्डेय ने ग्रामवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया और रासलीला के साथ-साथ गांव में समय-समय पर होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। इस भव्य आयोजन ने ग्राम कुआँ की सामूहिक चेतना और धार्मिक उत्साह को एक नई ऊँचाई प्रदान की है।संस्कारों से जुड़ती युवा पीढ़ीःइस उत्कृष्ट धार्मिक अनुष्ठान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंकित उर्मलिया जी ने कहा, ₹यह रासलीला हमारी वर्षों पुरानी धार्मिक चेतना और संस्कृति का प्रतीक है। यह आयोजन मात्र मनोरंजन नहीं, बल्कि यह हमारी युवा पीढ़ी को सनातन संस्कारों और उच्च मानवीय मूल्यों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।₹आगे श्रीमद् भागवत कथा का भी आनंदःसमिति ने यह भी जानकारी दी है कि इस रासलीला महोत्सव के दौरान ही श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा के आध्यात्मिक आनंद का भी सुअवसर प्राप्त होगा। यह दोहरा धार्मिक आयोजन इस क्षेत्र के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण घटना बन गया है।

दुर्गा विसर्जन के दौरान मारपीट के आरोपियों की अब तक नहीं हुई गिरफ्तारी

गंभीर रूप से की गई थी मारपीट मेडिकल में फ्रैक्चर की रिपोर्ट आई सामने

ब्यौहारी।

थाना ब्यौहारी के अंतर्गत दुर्गा विसर्जन के दौरान ग्राम मैरटोला उकसा जहां दुर्गा रखी गई उसके मुख्य पंडा कोदू राम पटेल के पुत्र रज्जन पटेल के साथ गंभीर मारपीट करने वाले, राजकुमार पटेल, रोहित पटेल एवं सुमित पटेल की गिरफ्तारी अभी तक पुलिस द्वारा नहीं की गई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम मैरटोला उकसा का निवासी कोदूराम पटेल जहां दुर्गा विराजी थी वहां पर 9 दिन पूजा पाठ किया दुर्गा पूजा का मुख्य पंडा कोदू राम पटेल ही थे दुर्गा विसर्जन के दौरान रज्जन पटेल के पिता कोदू राम पटेल 55 को राजकुमार पटेल, सुमित पटेल, और रोहित पटेल, ग्राम उकसा द्वारा दुर्गा विसर्जन के दौरान बनास नदी में फेंका जा रहा था अपने पिता को नदी में फेंकता हुआ देखकर रज्जन पटेल का आरोपियों के साथ विवाद हो गया और उसने कहा कि मेरे पिता को क्यों नदी में फेंक रहे हो तीनों ने नशे की हालत में रंजन पटेल से गंभीर मारपीट की जिसकी रिपोर्ट ब्यौहारी- थाने में दर्ज कराई गई थाना ब्यौहारी में संबंधित लोगों के खिलाफ 05/10/25 को बीएनएस की धारा 296,115 (2),117 (2),351(2),3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मेडिकल कराया गया जहां रज्जन पटेल के नाक की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया पुलिस द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया लेकिन तीनों आरोपियों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई जिससे क्षेत्र के लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश है स्थानिय ग्रामीण जनों ने पुलिस अधीक्षक से शीघ्र आरोपियों के शीघ्र के गिरफ्तारी की मांग की है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 14 अक्टूबर 2025 को विवेक पब्लिक स्कूल, शहडोल में जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा के मार्गदर्शन में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य प्रदीप सिंह, श्रीमती संगीता निगम, अभिषेक चौकसे, सहायक संचालक श्रीमती संजीता भगत, प्राचार्य डॉ. अनीता निगम, संचालक वन स्टॉप सेंटर डॉ. गोपाल निगम एवं काउंसलर श्रीमती सपना पांडेय, केसवर्कर भानुप्रिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संजीता भगत ने किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की बालिका अनामिका ठाकुर को एक दिन के लिए विद्यालय का प्राचार्य नियुक्त किया गया। बालिका ने विद्यार्थियों को बताया कि प्राचार्य के कर्तव्य में पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी होती है, जिसमें शिक्षण, अनुशासन और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। इस अवसर पर प्रदीप सिंह ने पॉक्सो एक्ट और बच्चों की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी नागरिकों का कर्तव्य है और किसी भी आपात स्थिति में टोल फ्री नंबर 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) का उपयोग किया जा सकता है। अभिषेक चौकसे ने बच्चों को सोशल मीडिया के सुरक्षित और सावधानीपूर्वक उपयोग की सलाह दी, जबकि श्रीमती संगीता निगम ने बाल विवाह के दुष्प्रभावों और रोकथाम के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन डॉ. गोपाल निगम ने किया और उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना की। इस कार्यक्रम से बच्चों में बालिका सुरक्षा, शिक्षा और समाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे यह आयोजन प्रभावशाली और प्रेरणादायक साबित हुआ।

सेक्टर बकहो में पोषण माह के अंतर्गत एकल उपयोग प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमलाई।

शासन के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग बुढ़ार के अंतर्गत 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक चल रहे पोषण माह के तहत सेक्टर बकहो में मंगलवार को 22वें दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के तहत "एकल उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें – पुनः उपयोग करें, अस्वीकार करें, कम करें" विषय पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर महिलाओं एवं बच्चों को कपड़े के थैले के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत लाड़ली बहनों द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।सेक्टर स्तरीय पोषण प्रदर्शनी में "स्वदेशी को बढ़ावा" देने हेतु

स्थानीय मोटे अनाज से बने पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। व्यंजन प्रदर्शन के लिए मिट्टी के पात्र, दोना-पत्तल और केले के पत्तों का उपयोग कर एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त आयोजन किया गया।कार्यक्रम में "कम नमक, कम चीनी, कम तेल" विषय को अपनाते हुए व्यंजनों को भाप में पकाया गया तथा गुड़ का उपयोग कर उन्हें स्वास्थ्यवर्धक बनाया गया। उपस्थित माताओं को बच्चों को पैक किए हुए भोजन और जंक फूड से दूर रखते हुए घर का ताजा भोजन देने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि ऐसे खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन से बच्चों में मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं।कार्यक्रम का समापन व्यंजनों के वितरण के साथ किया गया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी श्रीमती रामकुमारी पांडे, पर्यवेक्षक सीमा गुप्ता सहित सेक्टर बकहो की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

घनी आबादी के बीच गैस गोदाम बना खतरा, प्रशासन की नींद गायब

शहडोल।

जिले की ग्राम पंचायत चुहिरी में सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए इंडियन गैस एजेंसी का गोदाम आबादी के बीच बना दिया गया है। जहां चारों ओर घनी बस्ती है, वहीं मात्र 30 मीटर की दूरी पर एक स्कूल और कई आवासीय मकान स्थित हैं। बस्ती की गलियों से सीधे गोदाम तक रास्ता जुड़ा हुआ है, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में यह पूरा क्षेत्र बारूद का ढेर साबित हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि रोज़ाना सैकड़ों बच्चे पास के स्कूल में पढ़ने आते हैं। इतने नज़दीक एलपीजी सिलेंडरों का भंडारण न केवल खतरनाक है, बल्कि किसी भी समय एक मामूली चिंगारी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि गोदाम में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा और किसी दुर्घटना की स्थिति में पूरा गांव चपेट में आ सकता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से तत्काल जांच कर गोदाम को आबादी क्षेत्र से हटाने की मांग की है।

सुरक्षा नियमों का खुला उल्लंघन

वर्ष 2018 में पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार, किसी भी एलपीजी गोदाम की दूरी घनी आबादी, स्कूल या सार्वजनिक भवनों से **कम से कम 100 मीटर होना अनिवार्य है। साथ ही गोदाम का निर्माण केवल गैर-आवासीय क्षेत्र में किया जा सकता है। चुहिरी में बना यह गोदाम इन सभी मानकों का खुला उल्लंघन कर रहा है, जो न केवल प्रशासनिक लापरवाही बल्कि संभावित जनहानि की चेतावनी भी है।

ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित विभागों की चुप्पी इस गैरकानूनी निर्माण पर मिलीभगत की ओर इशारा करती है। सवाल उठता है कि आखिर ऐसे संवेदनशील गोदाम को आबादी के बीच अनुमति किसने दी? अब देखना यह होगा कि प्रशासन कब जागता है— हादसे के बाद या उससे पहले।

इनका कहना हैं

मैं बिना देखे एनओसी दे दिया था, यह तो सही बात है कि वहां स्कूल और कई लोगों के घर भी बने हुए हैं, वर्तमान में मैं जनपद पंचायत गोहपारू में पदस्थ हूं।

उदय सोनी
पूर्व सचिव ग्राम पंचायत

पुलिस-आबकारी विभाग की मिलीभगत पर उठे सवाल

शराब तस्करी पर ग्रामीणों ने लगाई लगाम

शहडोल।

जिले में शराब तस्करी का नेटवर्क दिन-प्रतिदिन मजबूत होता जा रहा है, जबकि पुलिस और आबकारी विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जयसिंहनगर क्षेत्र के ग्राम विनायक में रविवार देर रात ग्रामीणों ने अपनी सूझबूझ से अंग्रेजी शराब से भरी एक पिकअप गाड़ी को पकड़ लिया, जो अवैध रूप से छत्तीसगढ़ भेजी जा रही थी। बताया गया कि वाहन क्रमांक सीजी-04-एलएफ-8601 में बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब लदी थी। ग्रामीणों की तत्परता से जहां एक ओर तस्करी का भंडाफोड़ हुआ, वहीं प्रशासनिक लापरवाही ने कार्रवाई की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिए।

सूत्रों के अनुसार, यह तस्करी टेटका बस स्टैंड से होकर जंगल मार्ग से सीधी सीमा के ग्राम चांटी के रास्ते छत्तीसगढ़ तक की जा रही थी। ग्रामीणों को जब इस संदिग्ध गतिविधि की भनक लगी तो विनायक ग्राम पंचायत के सरपंच अमृतलाल सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने वाहन को घेर लिया और पुलिस हेल्पलाइन तथा जयसिंहनगर थाने को सूचना दी। मौके पर पहुंचने के पहले ही ठेकेदार के गुर्गे ग्रामीणों से हाथापाई कर वाहन छीनकर भाग निकले।

घटना के दौरान ग्रामीणों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो मोबाइल में कैद किया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वाहन से शराब के कार्टन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद अब तक न तो वाहन जब्त किया गया है और न ही किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। इस निष्क्रियता को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में लंबे समय से अवैध शराब की तस्करी हो रही है, परंतु पुलिस और आबकारी विभाग इस पर आंख मूंदे बैठे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि विभागीय मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी मात्रा में शराब की ढुलाई संभव नहीं हो सकती।

जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन से तत्काल जांच की मांग की है। वहीं, क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो जयसिंहनगर क्षेत्र अवैध शराब का बड़ा अड्डा बन जाएगा। ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी कानून को ठेंगा न दिखा सके। फिलहाल, पुलिस-आबकारी विभाग की चुप्पी इस तस्करी कांड पर कई सवाल खड़े कर रही है।

जमुना क्षेत्र में चोरों का आतंक, पुलिस कॉलोनी भी नहीं सुरक्षित

पाँच दिन में पाँच बार पानी पाइप चोरी, बिजली लाइन तक काट ले गये चोर

हरिभूमि न्यूज जमुना/भालूमाड़ा।

जमुना क्षेत्र में चोरों का आतंक अब हद पार कर चुका है। आम नागरिकों की सुरक्षा की बात छोड़िए, अब पुलिस कॉलोनी तक सुरक्षित नहीं रह गई। अज्ञात चोर खुलेआम सरकारी संपत्ति को निशाना बना रहे हैं और प्रशासन मौन है। यह हालात सीधे-सीधे सुरक्षा व्यवस्था की विफलता को उजागर कर रहे हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, फिल्टर प्लांट से नारायण खदान तक बिछाई गई नई पानी सप्लाई लाइन को चोरों ने पाँच दिनों में पाँच बार काटकर चोरी कर लिया। 19 सितंबर को जी.एम. ऑफिस तक डाली गई जी.आई. पाइप (20 फीट) उखाड़ ली गई, और 21 सितंबर को 25 पाइप तथा 2ए कॉलोनी के पीछे से 18 पाइप गायब हो गए इस लूटखसोट ने जलापूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह अस्थिर कर दिया है।

प्रबंधन की नाकामी और चोरों की हिम्मत

हर बार चोर जमीन खोदकर पाइप निकाल लेते हैं, और प्रबंधन छठवीं बार इसे सुधारने में जुटा है यह पूरी घटना कहावत "अंधेर नगरी चौपट राजा" को चरितार्थ कर रही है स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलरी प्रबंधन सुरक्षा के मामले में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है न तो कोई प्रभावी निगरानी है और न ही नियमित गश्त। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचा रहे हैं क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर पुलिस और कॉलरी प्रबंधन ने शीघ्र और ठोस कदम नहीं उठाए, तो जलापूर्ति और बिजली दोनों ही बुनियादी सुविधाएँ पूरी तरह चरमरा सकती हैं यह लगातार बढ़ती वारदातें प्रशासन की विफलता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। जमुना क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि यह मामला उच्च प्रशासन तक पहुँचे और चोरों के हौसले को तोड़ने के लिए तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए केवल तभी जनता को मूलभूत सुविधाओं की सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

परिवहन चेक पोस्ट बंद होते ही सड़कों पर बढ़ा अवैध वाहनो का संचालन

अवैध कबाड़, कोयला, गौवंश, गांजा, शराब तस्करी समेत ओवरलोड वाहनों मे इजाफा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/राजनगर। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग ने संपूर्ण मध्य प्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट को बंद कर गुजरात मॉडल के आधार पर चेकिंग पॉइंट को प्रारंभ कर दिया जो शहडोल से अंबिकापुर अंतरराज्यीय मार्ग पर तथा अनूपपुर से पेंड्रा रोड अंतरराज्यीय मार्ग पर प्रारंभ किये गये हैं, परंतु यह चेकिंग पॉइंट अब हाथी के दांत साबित हो रहे हैं। क्योंकि चेकिंग पॉइंट स्थाई ना होने के कारण लीकेज मार्गो से अवैध वाहनों का संचालन बढ़ा है। तथा उनके पास पर्याप्त संसाधन का अभाव है। जब कभी संभागीय परिवहन उड़न दस्ता या जिला परिवहन अधिकारी चेकिंग में निकलते हैं, तो रोड सूनसान हो जाते हैं। नतीजा बैरंग ही लौटना पड़ता है। हाल ही में रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गणेश ट्रांसपोर्ट की रायपुर छत्तीसगढ़ में पंजीकृत वाहन जो कोयला परिवहन कार्य में लगे टेलर से ग्राम सेमरा में एक व्यक्ति की दुर्घटना में मृत्यु हुई। जिससे सारे पोल खुल गये। जिसमें उक्त गाड़ी का परमिट फेल था।

बढ़ी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी

जब से मध्यप्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट बंद हुए हैं। तब से मादक पदार्थों की तस्करी में काफी बढ़ोतरी हुई है, आए दिन कई थाना क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन, गांजा परिवहन, तथा गौ तस्करी से संबंधित पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जाती रही है। क्योंकि परिवहन चेक पोस्ट पर संपूर्ण दस्तावेज जांच होने के पश्चात ही वाहन चेक पोस्ट से पार होती थी। इसमें काफी हद तक अवैध तस्करी में रोक लगी रही वही परिवहन चेक पोस्ट बंद होने के बाद सड़कों पर अब ओवरलोड वाहनों की संख्या बढ़ गई है, जिसके कारण सड़कों की दुर्दशा बिल्कुल दयनीय हो गई है, जगह-जगह सड़कों पर दरार आ रही हैं, गड्ढे हो रहे हैं, सड़के टूट रही हैं। जिससे राज्य शासन को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है। अंतरराज्यीय मार्ग कटनी से गुमला मार्ग जो अनूपपुर जिले के भाग से गुजरती है। इन सड़कों पर यह नजारा देखने को कहीं ना कहीं मिल ही जाएगा।

सड़कों पर दौड़ रही अवैध वाहनें

मध्यप्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट बंद होने के बाद सड़कों पर कई मालयान ऐसी दौड़ रही है, जो केंद्रीय मोटरयान अधिनियम 1989, मोटर यान अधिनियम 1988, मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994, मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1991, मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान नियम 1991, मोटरयान अति सुरक्षा रजिस्ट्रीकरण प्लेट आदेश 2018, मोटरयान व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और आपातकालीन बटन आदेश 2018, अखिल भारतीय पर्यटक यान परमिट नियम 2021, दोपहिया वाहन धारकों के लिए हेलमेट गुणवत्ता नियंत्रण आदेश 2020, मोटर यान प्रदूषण जांच केंद्र 2001 के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

चेकिंग पॉइंट में सफेद पोश बनाते दबाव

जिले के भीतर जब कभी परिवहन विभाग के चेकिंग अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वाहन चेकिंग लगाई जाती है, तो अवैध कार्यों में लिप्त सफेद पोश लोग अपने - अपने वाहनों को छुड़वाने के लिए इन अधिकारियों के ऊपर लगातार दबाव बनाते हैं। जिसके कारण स्थिति काफी गंभीर हो जाती है। जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। जिसके कारण परिवहन चेकिंग पॉइंट टीम कारगर रूप से कार्रवाई कर पाने में सफल नहीं हो पाती। दूसरी ओर मध्यप्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट बंद होने से मध्यप्रदेश शासन तथा परिवहन विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है। अंतरराज्यीय मार्गों पर अन्य राज्य के यात्री वाहन तथा मालयान वाहनों के मध्यप्रदेश राज्य के भीतर प्रवेश करने पर कर वसूल किया जाता था तथा अनुज्ञा पत्र के शर्तों का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई की जाती थी, जिसमें संपूर्ण मध्य प्रदेश में एक बहुत बड़ी राशि मध्यप्रदेश शासन तथा परिवहन विभाग को आता था। परिवहन चेक पोस्ट बंद होने के बाद वह राशि की शासन को तथा परिवहन विभाग को नुकसान हो रहा है।

अधोसंरचना कार्यों को गुणवत्तापूर्ण व निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश

निर्माण विभागों की कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में विभिन्न निर्माण विभागों द्वारा संचालित अधोसंरचना एवं कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों के अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर कार्यों की पूर्णता पर जोर दिया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी सहित विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग को विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पोर्टल पर समस्त निर्माण कार्यों की जानकारी फीड करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निर्माण विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक 15 दिवस में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण कर अपडेटेड फोटोग्राफ अनूपपुर सिविल वर्क मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें। ताकि कार्यों के प्रगति की मॉनिटरिंग एवं कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं का निराकरण तत्परता से किया जा सके। बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग (भवन), प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास योजना, मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, ऊर्जा विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, जल संसाधन एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के प्रारंभ, अप्रारंभ प्रगतिरत कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर अप्रारंभ कार्य को जल्द से जल्द प्रारंभ करने तथा प्रगतिरत कार्यों को गुणवत्तापूर्ण निर्धारित समय में पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकायों से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना अंतर्गत स्वीकृत रोड मार्ग, अमृत 2.0 अंतर्गत पार्क, वॉटरबाडी, वाटर सप्लाई के निर्माणधीन कार्य, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य, विशेष नीति अंतर्गत स्वीकृत कार्य, विधायक निधि अंतर्गत स्वीकृत कार्य, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशानिर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय अंतर्गत क्षतिग्रस्त, मरम्मत योग्य सड़कों की जानकारी कलेक्टर कार्यालय में उपलब्ध करायी जाए, ताकि आगामी समय में सड़कों में आवश्यक सुधार कार्य किया जा सके।

पीड़ित के मेहनत का 5 वर्ष 8 महीने बाद मिला फल

खाताधारक की बिना अनुमति खाते से बैंक कर्मियों ने निकाले थे रूपये

अंततः दर्ज हुई एफआईआर, बैंक मैनेजर और कैशियर पर गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया लालपुर शाखा से संबंधित एक गंभीर प्रकरण में आखिरकार 5 वर्ष 8 महीने बाद थाना अमरकंटक में एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। यह मामला ग्राम भरनी थाना अमरकंटक निवासी कमल किशोर साहू के खाते से कथित रूप से बैंक अधिकारियों द्वारा अवैध रूप से निकासी से जुड़ा हुआ है। सूत्रों के अनुसार 28 जनवरी 2020 को कमल किशोर साहू के खाता क्रमांक 3311546795 से बिना अनुमति के मनमाने तरीके से 800 रूपये निकाली गई थी। इस संबंध में खाताधारक ने कई बार बैंक के चक्कर लगाए, परंतु कोई समाधान नहीं मिला। न्याय की तलाश में साहू ने थाने, एसडीओपी पुष्पराजगढ़, एसपी अनूपपुर, कमिश्नर शहडोल तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सहित अनेक मंचों पर शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। थाना अमरकंटक द्वारा यह कहकर मामला टाल दिया गया कि "जब तक सभी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक कार्रवाई संभव नहीं है।" लगातार प्रयासों के बाद, कमल किशोर साहू ने सूचना का अधिकार के तहत दस्तावेज प्राप्त किए। इसमें यह तथ्य सामने आया कि सेंट्रल बैंक लालपुर के तत्कालीन मैनेजर शैलेन्द्र लखीवाल (127698) और कैशियर मनीष पोरवाल (139517) के हस्ताक्षर एवं राइटिंग निकासी पर्ची में पाए गए। पर्ची में न तो खाताधारक का सामने का हस्ताक्षर था, न ही पीछे की ओर। रीजनल ऑफिस, सेंट्रल बैंक शहडोल द्वारा भी इन तथ्यों की पुष्टि की गई। तत्पश्चात थाना अमरकंटक ने 18 सितम्बर 2025 को प्रकरण पंजीबद्ध किया। हालांकि एफ.आई.आर. दर्ज हुए एक माह बीत जाने के बावजूद, दोनों आरोपियों को अब तक हिरासत में नहीं लिया गया है। इससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं थाना अमरकंटक के कुछ कर्मचारी और बैंक अधिकारियों के बीच मिलीभगत तो नहीं है। प्रार्थी का आरोप है कि पुलिस की ढिलाई से आरोपियों को अग्रिम जमानत लेने का पूरा अवसर दिया गया, जबकि पुष्पराजगढ़ न्यायालय ने 11 अक्टूबर 2025 को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पीड़ति कमल किशोर साहू ने कहा कि "मैं पिछले 5 वर्षों से न्याय की गुहार लगा रहा हूं, लेकिन अब तक आरोपी खुलेआम बैंक में ड्यूटी कर रहे हैं, जबकि मैं दर-दर भटकने को मजबूर हूं।" जनता के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या थाने केवल "पैसे वाले पक्ष" के लिए खुले हैं, और क्या आम नागरिक को न्याय पाने के लिए इसी तरह वर्षों तक संघर्ष करना होगा।

आजीविका समूहों ने तैयार किया आकर्षक दीपावली गिफ्ट हैंपर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों द्वारा दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार किया गया है, जो कि कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में आजीविका स्टाल पर विक्रय के लिए उपलब्ध है। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के मार्गदर्शन में स्वसहायता समूहों के द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पादों से आमजन को परिचित कराने व स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों के प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुये यह पहल विगत वर्षों से की जा रही है। समूहों की इस पहल को पहले भी लोगों के द्वारा सराहा गया है। इसके पूर्व भी स्वसहायता समूहों द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार किया गया था, जिसे सभी के द्वारा प्रोत्साहित किया गया था। गिफ्ट हैंपर में आजीविका स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार विभिन्न उत्पाद जैसे मिट्टी के दीपक, टेराकोटा दीपक, रंगोली कलर, गोंडी पेंटिंग, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, कोदो मिलेट, कोदो बिस्किट, कोदो नमकीन, शहद, रुई की बाती आदि शामिल हैं, जो गिफ्ट हैंपर को आकर्षक बना रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा समूहों के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये उनके द्वारा तैयार दीपावली गिफ्ट हैंपर खरीदने की अपील सभी से की गई है।

बिहार चुनाव विजय के लिये अनूपपुर के भाजपा नेताओं ने संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के भारतीय जनता पार्टी जिला पदाधिकारी वर्तमान में होने जा रहे बिहार राज्य के विधानसभा चुनाव में अपना दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। मध्य प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं अनूपपुर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के आदेशानुसार बिहार राज्य के बखरी विधानसभा मे जिले के भाजपा उपाध्यक्ष जितेन्द्र सोनी, पूर्व कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा ने बिहार चुनाव मे विजय के लिये मोर्चा संभाल लिया है। बखरी विधानसभा अंतर्गत पांच भाजपा मंडल के शक्ति केंद्र एवं बूथ में जाकर आगामी बैठक होगा और जिस तरह मध्य प्रदेश में भारी बहुमत से भाजपा को जीत हासिल हुई है केंद्र एवं प्रदेश नेतत्व में चुनाव ह का कार्य किया जा रहा है। बिहार बेगूसराय प्रवासी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बीजेपी मध्य प्रदेश पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा एवं केंद्र सरकार के मंत्री हर्ष मल्होत्रा का मार्गदर्शन हो रहा है। अनूपपुर भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सोनी ने बताया कि उन्होंने बिहार चुनाव में बेगुसराय लोकसभा के अंतर्गत बखरी विधानसभा अंतर्गत पांच मंडल एवं सभी शक्ति केंद्र एवं बूथ में जाकर में पदाधिकारियो के साथ बैठक करके आगे की रणनीति पर कार्य करना शुरु कर दिया है।

आदतन 'नटवरवाल' इस बार बुरा फंसा, फर्जी हस्ताक्षर की खुल गई पोल

कलेक्ट्रेट मे पदस्थ कर्मचारी ने दर्ज कराई जालसाजी की शिकायत

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। कमलेश कुमार तिवारी सहायक वर्ग 3 जो वर्तमान में कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर में लेखापाल एवं न्यायालयीन प्रकरणों का कार्य सम्पादित कर रहे हैं जिनके फर्जी हस्ताक्षर कर उनका स्थानान्तरण कराने का एक रोचक मामला सामने आया है। कमिश्नर शहडोल संभाग शहडोल से एक पत्र कलेक्टर कार्यालय को प्राप्त हुआ जिसमें लेख किया गया है कि कमलेश कुमार तिवारी सहायक वर्ग 3 जो मूलतः जल संसाधन विभाग के कर्मचारी है और कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ होकर विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं का कार्य सम्पादित कर रहे हैं। पत्र में लेख किया गया है कि पूर्व में जिला निर्वाचन शाखा के साथ-साथ विकास शाखा में कार्य करने हेतु आदेश जारी किया गया था, किन्तु वर्तमान में अत्याधिक शाखाओं का प्रभार होने से कार्यों में विलम्बता होने से मुख्यमंत्री हेल्पलाईन 181 में शिकायतें हो रही हैं। जिससे प्रार्थी को मानसिक रूप से काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि श्री तिवारी की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल विभाग जल संसाधन विभाग अंतर्गत पुष्पराजगढ़ या शहडोल जिला अंतर्गत ब्यौहारी हेतु स्वयं के व्यय पर स्थानांतरण किये जान का अनुरोध किया है। कमलेश तिवारी को जब ज्ञात हुआ तब पत्र में उल्लेखित शब्दावली, कम्प्यूटर टायपिंग का एलायमेंट आदि देखकर जैतहरी स्थित कम्प्यूटर संस्थानों में पतासाजी किया गया और एक कम्प्यूटर संस्थान में उक्त ड्राफ्टिंग सेव मिला तब संबंधित संस्था के मालिक से पूछताछ करने पर पाया गया कि यह पत्र कथित एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा टायपिंग कराया गया है। उपरोक्त तथ्य प्रमाणित हो जाने पर तिवारी के फर्जी हस्ताक्षर बनाकर आवेदन-पत्र प्रस्तुत किये जाने एवं जालसाजी पूर्वक दस्तावेज तैयार करने पर उक्त जालसाज व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही हेतु नस्ती कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया एवं पुलिस अधीक्षक, जिला-अनूपपुर को शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से भी त्वरित रूप से पत्र में कार्यवाही हेतु थाना प्रभारी जैतहरी को निर्देशित किया गया है। 12 अक्टूबर को कमलेश तिवारी व कम्प्यूटर टायपिंग करने वाले व्यक्ति का बयान थाना जैतहरी में ले लिया गया है जिसमें कम्प्यूटर टायपिंग करने वाला व्यक्ति यह स्वीकार किया है कि उक्त स्थानान्तरण आवेदन-पत्र को मुझसे टाईप कराया गया है। जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति द्वारा पूर्व में भी कमलेश तिवारी के विरुद्ध कई बेनामी फर्जी शिकायत कई फर्जी नामों से फर्जी हस्ताक्षर करके कर चुका है किन्तु सबूत साक्ष्य के अभाव में कार्यवाही से यह व्यक्ति बचता आ रहा है। इस बार फर्जी अभिलेख तैयार करने का साक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। जैतहरी में उक्त व्यक्ति के कई कारनामें हैं जो अब परत दर परत खुल रही है, अब देखना यह है कि क्या थाना जैतहरी द्वारा उक्त नटवरलाल के खिलाफ जालसाजी के धाराओं पर मुकदमा कायम करके जेल भेजेगी या फिर से जालसाजी करके बच निकलता है।

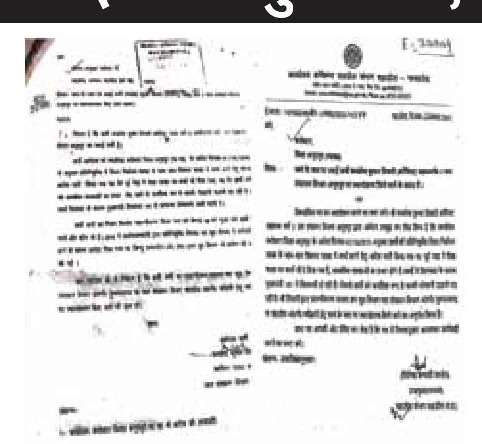

युवा कांग्रेस ने विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नगर पंचायत व अमरकंटक पुलिस से त्वरित निराकरण की मांग

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। युवा कांग्रेस कमेटी अमरकंटक ने नगर की जनसमस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर अमरकंटक थाना एवं नगर पंचायत में दस सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। समिति ने विभिन्न सार्वजनिक व्यवस्थाओं में सुधार की मांग करते हुए त्वरित कार्यवाही की अपील की। नगर पंचायत को सौंपे गए प्रमुख मांग-पत्र बिंदुओं मे लेख किया गया कि गाय माता के लिए कांजी हाउस की व्यवस्था कृ नगर में गायें सड़कों पर विचरण करती हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। नगर के सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था। माँ नर्मदा जी के उत्तर एवं दक्षिण तटों पर प्रकाश व्यवस्था। छोटे दुकानदारों के लिए निश्चित स्थान निर्धारित किया जाए, ताकि यातायात प्रभावित न हो। परिक्रमा वासियों के मार्गों पर दिशा-निर्देश बोर्ड लगाए जाएँ। नगर पालिका के भवनों का सदुपयोग करते हुए परिक्रमा वासियों के ठहरने की व्यवस्था की जाए (जैसे रैन बसेरा, परिक्रमा वासी भवन, रेवा पारिवारिक धर्मशाला)। कपिलधारा और सोनमुड़ा क्षेत्र में हो रही अवैध वसूली की जांच कर कार्रवाई की जाए। माँ नर्मदा जी के घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाए, ताकि घाट स्वच्छ और सुंदर रहे। सीसी रोड और नाली निर्माण कार्यों की जांच की जाए, क्योंकि कई कार्य अधूरे हैं। वाहन पार्किंग की व्यवस्थित व्यवस्था की जाए और मनमाने ढंग से खड़ी गाड़ियों पर नोटिस जारी किए जाएँ। सभी निर्माण स्थलों पर जानकारी दर्शाने वाले बोर्ड लगाए जाएँ। नर्मदा घाटों पर डूबने की घटनाओं को रोकने हेतु बचाव दल की व्यवस्था की जाए। वार्ड क्रमांक 02 की हुडको कॉलोनी की जांच तथा विद्यालय मार्ग का निर्माण कराया जाए।

पुलिस से यह रखी मांग

युवा कांग्रेस ने थाना अमरकंटक को सौंपे ज्ञापन में कहा कि पवित्र नगरी में भारी वाहनों (बस, ट्रैक्टर, डंपर आदि) के प्रवेश से यातायात अव्यवस्थित हो रहा है। होटल और आश्रम अपने गेटों के सामने बसें व टैक्सी खड़ी करते हैं, जिससे सड़क जाम की स्थिति बनती है। गौरेला से आने वाले टैक्सी वाहनों के दस्तावेज़ों की जांच की जाए, क्योंकि कई वाहन बिना अनुमति संचालन कर रहे हैं। शराब सेवन कर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अमरकंटक में शराब की बिक्री पर नियंत्रण हो, विशेषकर वार्ड क्रमांक 15 व 02 में विद्यालय के सामने अवैध बिक्री रोकने की मांग की गई। दुर्गाधारा मार्ग से रात के समय भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए, जहाँ से बिना रॉयल्टी के रेत की अवैध बिक्री हो रही है। युवा कांग्रेस ने मांग की कि थाना प्रभारी इन सभी विषयों पर शीघ्र कठोर कार्रवाई करें, शराब विक्रय की निगरानी हेतु विशेष टीम गठित कर नियमित निरीक्षण कराया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान मंडलम कांग्रेस अध्यक्ष श्यामलाल सेन, युवा नेता बीरू तंबोली, रवि परस्ते, दुष्यंत उइके, खिलेश्वर दूबे, अमन मार्को, शुशांत मिश्रा, आयुष चौहान, रोहित सिंह, घनश्याम प्रधान, नरेश बंजारा, किशन रजक, शंशाक डोंगरे, आशिक डोंगरे तथा रुपेश कुमार मरकाम उपस्थित रहे।

जन की सुनवाई मे कलेक्टर की सख्ती

लापरवाह पटवारियों पर 5-5 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 87 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के. के. सोनी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में तहसील जैतहरी के वेंकटनगर निवासी लक्ष्मीकांत सोनी पटवारी द्वारा डिजिटल नक्शे में तरमीम अपडेट नही करने तथा तहसील अनूपपुर के ग्राम देवहरा निवासी वद्यप्रसाद तिवारी पटवारी द्वारा नामांतरण नही किए जाने के संबंध में शिकायत लेकर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत हुए। जिस पर कलेक्टर ने सख्ती दिखाते हुए आवेदकों की शिकायतों को गंभीरता से लेकर संबंधित दोनो पटवारियों पर 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम अमिलिहा तहसील अनूपपुर निवासी दीपक सोनी द्वारा सीएम कारकेट में लगी गाड़ी के भुगतान के संबंध में आवेदन किया गया। जिसका भुगतान कलेक्टर के निर्देश अनुसार आवेदक को तत्काल किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत चोरभठी निवासी कन्छेदी कोल ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, बदरा, तहसील अनूपपुर निवासी सुश्री क्षमा तिवारी ने ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी कराने, ग्राम परसवार, तहसील अनूपपुर निवासी महेन्द्र सिंह गोंड़ ने दिव्यांग पेंशन दिलाए जाने, ग्राम करनपठार तहसील पुष्पराजगढ़ निवासी मनोज कुमार ने भूमि का सीमांकन व नक्शा तरमीम कराने, ग्राम देवगवां तहसील कोतमा निवासी श्रीमती ललिता यादव ने राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम गढ़ी, तहसील कोतमा निवासी चुन्नूलाल साहू ने पुत्री के शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।